This question paper contains 4+2 printed pages]

3641-R

B.A. (Third Year) EXAMINATION, 2018

SANSKRIT

Paper – I

(वैदिक व लौकिक काव्य एवं गद्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Part A (खण्ड 'अ') [Marks : 20]

*Answer all questions (**50** words each).*
***All** questions carry equal marks.*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

Part B (खण्ड 'ब') [Marks : 50]

*Answer five questions (**250** words each), selecting **one** question from each Unit.*
***All** questions carry equal marks.*

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

Part C (खण्ड 'स') [Marks : 30]

*Answer any two questions (**300** words each).*
***All** questions carry equal marks.*

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

Part A (खण्ड 'अ')

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

Unit I (इकाई I)

(*i*) वरुणसूक्त के देवता व ऋषि का नाम लिखिये।

(*ii*) 'श्रुधि श्रुत श्रद्धिवं ते वदामि' में सुनने योग्य क्या बात है ?

Unit II (इकाई II)

(*iii*) एतत्त्रयाणां प्रथमं वरं वृणे - में प्रथम वर में क्या मांगा ?

(*iv*) पुनः पुनर्वशमापद्यते मे - किसने क्यों कहा ?

Unit III (इकाई III)

(*v*) 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः' सूक्ति का आशय स्पष्ट कीजिये।

(*vi*) न बाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम् - किसने क्यों कहा ?

Unit IV (इकाई IV)

(*vii*) विहाय शान्तिं नृप! - किसने क्यों कहा ?

(*viii*) द्रौपदी कृत वृकोदर की दुर्दशा का वर्णन कीजिये।

Unit V (इकाई V)

(*ix*) गुरूपदेश का वैशिष्ट्य बताइये।

(*x*) "अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमद:" इस सूक्ति का आशय स्पष्ट कीजिये।

Part B (खण्ड 'ब')

Unit I (इकाई I)

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

यो जात एव प्रथमो मनस्वान् देवो देवान् क्रतुना पर्यभूषत्।
यस्य शुष्माद् रोदसी अभ्यसेतां नृम्णस्य मह्ना स जनास इन्द्र:॥

अथवा

प्र तद्विष्णु: स्तवते वीर्येण मृगो न भीम: कुचरो गिरिष्ठा:।
यस्योरुषु त्रिषु विक्रमणेष्वधिक्षियन्ति भुवनानि विश्वा॥

Unit II (इकाई II)

3. निम्न में से किसी **एक** मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

त्रिणाचिकेतस्त्रिभिरेत्य सन्धिं त्रिकर्मकृत्तरति जन्ममृत्यू।
ब्रह्मजज्ञं देवमीड्यं विदित्वा निचाय्येमाँ शान्तिमत्यन्तमेति॥

अथवा

सर्वे वेदा यत्पदमामनन्ति तपांसि सर्वाणि च यद्वदन्ति।

यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्यं चरन्ति तत्ते पदं संग्रहेण ब्रवीम्योमित्येतत्॥

Unit III (इकाई III)

4. अधोलिखित श्लोकों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपं

हितान्न यः संशृणुते स किं प्रभुः।

सदाऽनुकूलेषु हि कुर्वते रतिं।

नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः॥

अथवा

प्रलीनभूपालमपि स्थिरायति प्रशासदावारिधि मण्डलं भुवः।

स चिन्तयत्येव भियस्त्वदेष्यतीरहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता॥

Unit IV (इकाई IV)

5. निम्न श्लोकों में से किसी **एक** श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं भवन्ति मायाविषु येन मायिनः।

प्रविश्य हि घ्नन्ति शठास्तथाविधानसंवृताङ्गान् निशिता इवेषवः॥

अथवा

इमामहं वेद न तावकीं धियं विचित्ररूपाः खलु चित्तवृत्तयः।
विचिन्तयन्त्या भवदापदां परां रुजन्ति चेतः प्रसभं ममाधयः॥

Unit V (इकाई V)

6. निम्न गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

(क) अयमेव चानास्वादित विषयरसस्य ते काल उपदेशस्य। कुसुमशरप्रहारजर्जरिते हि हृदये जलमिव गलत्युपदिष्टम्। अकारणञ्च भवति दुष्प्रकृतेरन्वयः श्रुतं वा विनयस्य। चन्दनप्रभवो न दहति किमनलः ? किं वा प्रशमहेतुनापि न प्रचण्डतरीभवति वाडवानलो वारिणा ?

(ख) न ह्येवं विधमपरिचितमिह जगति किञ्चिदस्ति यथेयमनार्या। लब्धापि खलु दुःखेन परिपाल्यते दृढ़गुणपाशसन्दाननिष्पन्दीकृतापि नश्यति। उद्दामदर्पसहस्रोल्लासितासिलतापञ्जरविधृताप्यपक्रामति प्रपलायते।

(ग) इयं संवर्द्धनवारिधारा तृष्णाविषवल्लीनाम्। व्याधगीतरिन्द्रियमृगाणाम्। परामर्शधूमलेखा सच्चरितचित्राणाम्। विभ्रमशय्या मोहदीर्घनिद्राणाम्। निवासजीर्णवलभी धनमदपिशाचिकानाम्। तिमिरोद्गतिः शास्त्रदृष्टीनाम्। पुरः पताका सर्वाविनयानाम्। उत्पत्तिनिम्नगा क्रोधावेगग्राहाणाम्।

(घ) इषव इव पानवर्धित तैक्ष्ण्याः परप्रेरिता विनाशयन्ति। दूरस्थितान्यपि फलानीव दण्डविक्षेपैमर्हाकुलानि शातयन्ति। अकालकुसुमप्रसवा इव मनोहराकृतयोऽपि लोकविनाशहेतवः। श्मशानाग्नयः इवातिरौद्रभूतयः। तैमिरिका इवादूरदर्शिनः।

Part C (खण्ड 'स')

Unit I (इकाई I)

7. इन्द्र **अथवा** प्रजापति देवता के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Unit II (इकाई II)

8. कठोपनिषद् के आधार पर आत्म-तत्त्व का प्रतिपादन कीजिये।

Unit III (इकाई III)

9. किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का सार लिखिये।

Unit IV (इकाई IV)

10. द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिये।

Unit V (इकाई V)

11. जीवन-सम्बन्धी ज्ञान के निदर्शन में महामन्त्री शुकनास अप्रतिम है—कथन की समीक्षा कीजिये।